हरिभूमि
नर्मदापुरम भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, गुरुवार 16 जुलाई 2026
[नर्मदापुर | इटारसी | पिपरिया | पचमढ़ी | सोहागपुर | सिवनी-मालवा | माखननगर | बनखेड़ी]

04 अनदेखी: टंकी के आसपास कहीं बसाहट, तो कहीं लग...

07 पचमढ़ी में 8 अगस्त से शुरू होगी मध्य प्रदेश की...

खबर संक्षेप

जिला स्तरीय साइबर सुरक्षा कार्यशाला हुई

नर्मदापुरम। जिला प्रशासन नर्मदापुरम द्वारा जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी एवं साइबर पुलिस के सहयोग से आज कलेक्टर कार्यालय के रेवा सभा कक्ष में एक दिवसीय जिला स्तरीय साइबर सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षित डिजिटल कार्य प्रणाली अपनाने और सुशासन को मजबूत करने के प्रति जागरूक करना था।

पेयजल और अवैध उत्खनन पर दिए निर्देश

नर्मदापुरम। जिला पंचायत नर्मदापुरम के सभाकक्ष में मंगलवार को जिला पंचायत का सामान्य सम्मेलन जिला पंचायत अध्यक्ष राधा सुधीर पटेल की अध्यक्षता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। सम्मेलन में जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं योजनाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों की प्रगति, स्वास्थ्य सेवाओं, विद्युत आपूर्ति, ग्रामीण पेयजल व्यवस्था तथा विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई।

सेंट पॉल स्कूल में बच्चों की जान से खिलवाड़!

लापरवाही: घुटन से बेसुध हो रहे छात्र प्रबंधन दे रहा है 'रोजे' का बेतुका तर्क

शहर के सेंट पॉल्स स्कूल में लापरवाही सामने आई जब आए दिन बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्मदापुरम

शिक्षा को व्यवसाय बना चुके शिक्षा माफियाओं के लिए अब बच्चों का स्वास्थ्य और उनकी जान भी कोई मायने नहीं रखती। शहर के पुराने और प्रतिष्ठित माने जाने वाले सेंट पॉल स्कूल में प्रबंधन की घोर लापरवाही सामने आई है। यहां क्लासरूम में क्षमता से अधिक बच्चों को ठूंसने और पर्याप्त वेंटिलेशन न होने के कारण आए दिन बच्चों की तबीयत बिगड़ रही है। हालात इतने गंभीर हैं कि कई मामलों में बच्चों को अस्पताल में भर्ती कर ऑक्सीजन तक लगानी पड़ी है।

पीने के पानी की समस्या:

स्कूल में बच्चों के लिए तय मापदंडों के अनुसार स्वच्छ पेयजल की भी उचित व्यवस्था नहीं है।

क्या है पूरा मामला और स्कूल की कमियां?

क्षमता से अधिक बच्चे और घुटन: क्लासरूम में नियमों को ताक पर रखकर जरूरत से ज्यादा बच्चों को बैठाया जा रहा है। पर्याप्त वेंटिलेशन न होने के कारण बच्चे क्लास में घुटन महसूस कर रहे हैं और बेसुध होकर गिर रहे हैं।

प्रबंधन ने साधी चुप्पी

तीन दिन पहले एक बच्चा क्लास में बेसुध हो गया और अगले ही दिन उसके भाई की भी तबीयत बिगड़ गई। जानकारी के मुताबिक, बुधवार को भी दो अन्य बच्चों की तबीयत खराब हुई, जिस पर प्रबंधन ने पूरी तरह चुप्पी साध ली।

सवालों से बचती नजर आईं प्राचार्य...

जब क्लास में दर्ज बच्चों की संख्या को लेकर प्राचार्य जेन्सी चेरियन का पक्ष जानने के लिए कई बार संपर्क किया गया, तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। वे सवालों से बचतीं नजर आईं।

प्रबंधन की लीपापोती और बेतुके तर्क

जब इस गंभीर मामले में स्कूल प्रबंधन से सवाल किए गए, तो उनकी ओर से बेहद गैर-जिम्मेदाराना रवैया सामने आया। उप प्राचार्य शुभंकर राय ने अपनी लापरवाही छिपाने के लिए कह दिया कि बच्चे रोजे से थे, इसलिए तबीयत बिगड़ी। जबकि हैरानी की बात यह है कि वर्तमान में न तो रमजान चल रहा है और न ही मुस्लिम समुदाय का कोई ऐसा त्योहार जिसमें उपवास रखा जाए। इसके बाद प्राचार्य जेन्सी चेरियन ने मामले को दबाने की कोशिश की और बच्चों के अभिभावकों से यह कहलवा लिया कि बच्चे सुबह नाश्ता नहीं करके आए थे और एक बच्चे को पहले से स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत थी।

अधिकारियों का रुख

"आपके माध्यम से यह गंभीर जानकारी मिली है। यदि स्कूल में बच्चों की तबीयत लगातार खराब हो रही है, तो इसकी सख्ती से जांच कराई जाएगी। बुनियादी सुविधाओं की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा। यदि नियमों को ताक पर रखकर क्लास में तय संख्या से अधिक बच्चे पाए गए, तो स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।"
एल.एन. प्रजापति,बीईओ, नर्मदापुरम

"स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं का होना अनिवार्य है। नियमानुसार एक क्लास में 40 से ज्यादा बच्चे नहीं होने चाहिए और प्रति 40 बच्चों पर 1 शिक्षक का होना जरूरी है। पेयजल की व्यवस्था भी गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए। यदि स्कूल में इन नियमों की अनदेखी पाई गई, तो जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।"
राजेश जायसवाल, डीपीसी, नर्मदापुरम

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव सिम से हुई मृतक की पहचान

पुलिस को अंदेशा ट्रेन की चपेट में आया युवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्मदापुरम

नगर के रसूलिया रेलवे ट्रैक ब्रिज के नीचे बुधवार सुबह एक इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के मैनेजर का क्षत-विक्षत शव मिला है। सूचना मिलते ही देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव के बिखरे अंगों को एकत्र कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान इटारसी निवासी विपुल दुबे (30) के रूप में हुई है। पुलिस फिलहाल मामले को प्रथम दृष्टया ट्रेन की चपेट में आने का मामला मान रही है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, विपुल दुबे पिता सुदर्शन दुबे इटारसी के गांधीनगर क्षेत्र के रहने वाले थे। वह नर्मदापुरम के रसूलिया स्थित मंगलम इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे और प्रतिदिन इटारसी से बस के जरिए आना-जाना करते थे। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि मंगलवार रात शोरूम से निकलने के बाद वह रसूलिया ब्रिज के नीचे डबल फाटक पार कर बस पकड़ने जा रहे थे। इसी दौरान किसी ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। घटना मंगलवार देर रात की बताई जा रही है, जबकि बुधवार सुबह रेलवे ट्रैक पर शव मिलने के बाद मामला सामने आया।

घटनास्थल पर मृतक की जेब से मिले मोबाइल फोन और सिम कार्ड के आधार पर पुलिस ने उनकी पहचान की। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया, जहां इटारसी में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

ट्रेन से हुए हादसे की आशंका

देहात थाना प्रभारी ऊषा मरावी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला ट्रेन की चपेट में आने का प्रतीत होता है। हालांकि मौत के कारणों का अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हुआ है। परिजनों के बयान लिए जा रहे हैं और शोरूम के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जाएंगे, ताकि यह पता चल सके कि विपुल मंगलवार रात किस समय शोरूम से निकले थे। जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

आबकारी विभाग और पुलिस की तत्परता से जनरेटर चोरी करने वाले दो चोर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्मदापुरम

थाना देहात पुलिस ने डामर प्लांट से रू. 6 लाख की कीमत का भारी-भरकम जनरेटर चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का जनरेटर और वारदात में इस्तेमाल किया गया ट्रैक्टर भी जब्त कर लिया है। बीती 3 जुलाई को फरियादी रुपेश मालवीय (निवासी ईशान परिसर) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कुलामड़ी बायपास रोड स्थित उनके डामर प्लांट से अज्ञात चोरों ने अशोक लीलैंड कंपनी का एक बड़ा जनरेटर (82.5 KV) चोरी कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस थोटा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक उषा मरावी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सबसे पहले कपिल को उसके गांव से हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने जुर्म कबूल करते हुए बताया कि 1 जुलाई की रात उसने अपने साथी सुमित दुबे के साथ मिलकर जनरेटर को अपने स्वराज 855 ट्रैक्टर से बांधकर चोरी किया था। पुलिस ने कपिल से घटना में प्रयुक्त लाल रंग का ट्रैक्टर जब्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

कचरा प्रबंधन में डिजिटल गवर्नेंस लागू

इटारसी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा प्रदेश के नगरीय निकायों में 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026' को पूरी तरह प्रभावी कर दिया गया है। आयुक्त संकेत भोडवे एवं संयुक्त संचालक नीलेश दुबे के निर्देशन तथा विषय विशेषज्ञ डॉ. केतन मटकर के तकनीकी विश्लेषण से तैयार यह कार्ययोजना प्रदेश की सफाई व्यवस्था में बड़ा मील का पत्थर साबित हो रही है। नए नियमों के तहत अब कचरा फैलाने या लापरवाही बरतने पर सिर्फ मामूली जुर्माना नहीं, बल्कि सीधे विधिक और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

दुर्घटना में कृष्ण मृग की मृत्यु, कराई जांच, किया अंतिम संस्कार

कुत्तों के हमले में मृग के घायल होने की जताई जा रही संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोहागपुर

सोहागपुर रेंज के उप परिक्षेत्र बागड़ा अंतर्गत पाटनी में 13 जुलाई को दुर्घटना में एक मादा कृष्ण मृग की मृत्यु हो गई है। घायल मृग को रेस्क्यू किया गया था। मामले में वन विभाग ने गांव के आसपास जांच कराई तथा मंगलवार को मृग का अंतिम संस्कार किया गया है।

सोहागपुर सामान्य वन क्षेत्र रेंजर हेमंत शर्मा ने बताया मृग वन्यप्राणी के पिछले पैर की फीमर हड्डी टूटी हुई थी। पशु चिकित्सालय सोहागपुर में उसका उपचार कराया गया। चिकित्सक के परामर्श अनुसार उसे सोहागपुर टिम्बर डिपो के एकांत बाड़े में निगरानी में रखा गया था। लेकिन इलाज के बाद भी मृग की मंगलवार को मृत्यु हो

गई। शव का शासकीय पशु शल्य चिकित्सक से पोस्टमार्टम कराया गया। पीएम में प्रथम दृष्टया मृत्यु का कारण कुत्तों द्वारा पीछा करने के फलस्वरूप मृग के घायल होने पाया गया। पोस्टमार्टम उपरांत शव को वनमंडलाधिकारी नर्मदापुरम, राजस्व अधिकारी, स्थानीय सरपंच व स्टाफ की उपस्थिति में संपूर्ण अवयवों सहित पूर्ण रूप से जलाकर नष्ट किया गया। उक्त कार्यवाही के पूर्व एवं पश्चात पंचनामा तैयार किया गया।

कराई पेट्रोलिंग

वन विभाग ने घटना क्षेत्र में एहतियात के तौर पर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व क्षेत्र की रेगुलर पेट्रोलिंग टीम से मुआयना कराया गया। स्निफर डॉग स्क्वाड से भी मॉनिटरिंग कराई गई है। इस दौरान कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं पाई गई है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वन्यप्राणी अनुसूची में शामिल मृग के साथ यदि कोई घटना होती है तो उसकी सूचना तत्काल विभाग को दी जाए। साथ ही अपेक्षा की है कि खेतों के आसपास यदि मृग घूमते हों, तो उन्हें सुरक्षित रूप से भगाया जाए। लेकिन मृगों को कुत्तों से बचाने का प्रयास ग्रामीण जरूर करें।

विधायक की क्राइम मीटिंग के महज 2 घंटे बाद इटारसी में फिर चले चाकू, सरेआम गुंडागर्दी से शहर में दहशत

हरिभूमि न्यूज ⏭ इटारसी

शहर में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है और बदमाशों में खाकी का खौफ शून्य हो चुका है। पुलिस की मुस्तैदी सिर्फ कागजों और बैठकों तक सीमित रह गई है। इस बात का जीता-जागता प्रमाण मंगलवार रात को देखने मिला, जब बढ़ती चाकूबाजी को लेकर विधायक द्वारा ली गई पुलिस अधिकारियों की सख्त बैठक के महज दो से ढाई घंटे बाद ही बेखौफ बदमाशों ने सरेआम एक और युवक को चाकुओं से गोद डाला। एक तरफ पुलिस कानून-व्यवस्था मजबूत करने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ खून-खराबे ने शहर में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।

उल्लखेनीय है कि देर शाम विधायक ने शहर में शांति बहाली के लिए पुलिस अफसरों की क्लास ली थी। लेकिन रात करीब 8:30 बजे विश्वनाथ टॉकीज चौराहे शासकीय अस्पताल के सामने

बदमाशों ने पुलिस को सीधा आईना दिखा दिया। मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए 4 से 5 अज्ञात बदमाशों ने सरेराह एक युवक पर चाकुओं से हमला कर दिया। अस्पताल और मुख्य चौराहे जैसी भीड़भाड़ वाली जगह पर हुई इस वारदात ने पुलिस की गश्त और उनके खुफिया तंत्र की पूरी तरह पोल खोलकर रख दी है।

सुबह की घटना का पीड़ित वेंटिलेटर पर

इससे पहले सुबह 7 बजे सूरजगंज में भी खूनी खेल खेला गया, जिसका शिकार 26 वर्षीय शैलेन्द्र अहिरवार (पिता रामसिंह अहिरवार) हुआ। शासकीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे नर्मदा अपना अस्पताल में भर्ती कराया गया है।अत्यंत गंभीर, हालत में मरीज वर्तमान में वेंटिलेटर पर है।सिर पर हुए प्राणघातक हमले के कारण सिर की हड्डी के कई टुकड़े हो गए हैं। इसके अलावा छाती में भी गंभीर फ्रैक्चर है। आईसीयू विशेषज्ञ डॉ. सत्येंद्र परमार और जनरल सर्जन डॉ. सौरभ रघुवंशी की निगरानी में लगातार इलाज जारी है।

शहर जुझारपुर रोड, पुरानी इटारसी, नाला मोहल्ला और सूरजगंज में लगातार बिगड़ते हालातों को देखते हुए विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने मंगलवार देर शाम रेस्ट हाउस में प्रशासन और पुलिस की आपात बैठक बुलाई थी। बैठक में एसडीएम नीलेश शर्मा, शहर थाना प्रभारी सौरभ पांडे, पथरोटा थाना प्रभारी मोनिका गौर, भाजपा नगर अध्यक्ष राहुल चौरे, जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे व अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

एसडीएम ने पशुपालकों से किया संवाद

इटारसी। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा 'दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान' चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में एसडीएम (राजस्व) नीलेश शर्मा ने क्षेत्र का दौरा कर अभियान का निरीक्षण और समीक्षा की। उन्होंने ग्राम जुझारपुर में जनपद सदस्य रविकांत माहला, ग्राम सनखेड़ा में चरन सिंह चौधरी, ग्राम घाटली में आदर्श मेहतो और इटारसी में कैलाश यादव के यहां पहुंचकर पशुपालकों से सीधा संवाद किया। इस दौरान पशुपालकों को वैज्ञानिक तरीकों से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और आमदनी में वृद्धि करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही पशु नस्ल सुधार, संतुलित पशु आहार, हरे चारे के प्रबंधन, नियमित टीकाकरण और मौसमी बीमारियों से बचाव की तकनीकों की जानकारी दी गई।

डिजिटल होगी कचरा गाड़ी की निगरानी, वार्डों में शुरू हुआ सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ इटारसी

शहर की स्वच्छता व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए नगर पालिका परिषद इटारसी ने एक आधुनिक कदम उठाया है। नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे के निर्देशन एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुरेखा जाटव के नेतृत्व में शहर के 9 वार्डों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन प्रणाली की शुरुआत की गई है। इस नई व्यवस्था के तहत वार्ड क्रमांक 11, 12, 13, 14, 15, 17, 30, 31 और 32 के लगभग 2,000 घरों में RFID कार्ड लगाए जा रहे हैं।

कैसे काम करेगी यह तकनीक?

कचरा संग्रहण वाहन (कचरा गाड़ी) के हेल्पर के लिए प्रत्येक घर पर लगे RFID कार्ड को स्कैन करना अनिवार्य होगा। कार्ड स्कैन होते ही नगर पालिका के कंट्रोल रूम को रियल-टाइम डेटा मिल जाएगा। इससे यह आसानी से पता चल सकेगा कि कचरा गाड़ी निर्धारित समय पर पहुंची या नहीं। यदि कोई वाहन किसी गली या घर में नहीं जाता या देरी से पहुंचता है, तो उसकी तुरंत डिजिटल निगरानी और समीक्षा की जा सकेगी। उद्देश्य और भविष्य की योजना

नगर पालिका का मुख्य लक्ष्य तकनीक के माध्यम से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में कर्मचारियों की जवाबदेही तय करना और नागरिकों को बेहतर सेवा देना है। यदि इन 9 वार्डों में यह पायलट प्रोजेक्ट सफल रहता है, तो आगामी समय में इसे पूरे इटारसी शहर के सभी वार्डों में लागू किया जाएगा।

जैसवानी मल्टीस्पेशिलिटी अस्पताल में डायलिसिस शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ इटारसी

शहर और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के किडनी रोगियों के लिए एक राहत भरी खबर है। अब गंभीर मरीजों को डायलिसिस जैसी जरूरी प्रक्रिया के लिए बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। इटारसी के विश्वकर्मा नगर स्थित प्रतिष्ठित जैसवानी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में अत्याधुनिक और विश्वसनीय हेमोडायलिसिस सुविधा की विधिवत शुरुआत हो गई है। अस्पताल प्रबंधन ने इसे मरीजों को सुलभ और सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक अहम कदम बताया है।

अस्पताल की डायलिसिस यूनिट की विशेषताएं

मरीजों के लिए आधुनिक और पूरी तरह से सुरक्षित डायलिसिस

मशीनों की व्यवस्था की गई है। पूरी प्रक्रिया अनुभवी डॉक्टरों और विशेष रूप से प्रशिक्षित डायलिसिस स्टाफ की देखरेख में की जा रही है। अस्पताल में संक्रमण नियंत्रण के उच्च मापदंडों का सख्ती से पालन किया जा रहा है, ताकि मरीजों को किसी भी प्रकार के इंफेक्शन से बचाया जा सके। मरीजों को मानसिक और शारीरिक रूप से सहज महसूस कराने के लिए डायलिसिस यूनिट को बेहद स्वच्छ, आरामदायक और सुरक्षित बनाया गया है।

आचार्य 108 समय सागर महाराज का नर्मदापुरम में हुआ आगमन

सुना है भारत से मांस निर्यात होता है, इसे बंद करने के लिए पुरुषार्थ करना चाहिए : आचार्य समय सागर जी महाराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्मदापुरम

जैन धर्म के महान तपस्वी संयम, सत्य और अहिंसा के प्रतीक, आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य आचार्य 108 समय सागर महाराज का बुधवार सुबह नर्मदापुरम शहर में आगमन हुआ। रसूलिया डबल फाटक पर आचार्य श्री के साथ 20 पिच्छी मुनिराजों का शहर में मंगल प्रवेश हुआ। जहां सकल जैन समाज और शहरवासियों ने आचार्य श्री का स्वागत किया। दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

उनके स्वागत में जगह-जगह टेंट, बैंड-बाजे और रंगोलियां बनाकर शहर को सजाया गया। आचार्य श्री रसूलिया, भोपाल तिराहा, एनएमवी तिराहा, सतरस्ते होते हुए बड़े दिगंबर जैन मंदिर, मंगलवारा पहुंचे। यहां आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन, पूजन-अर्चना के बाद प्रवचन हुए। जिसमें उन्होंने अहिंसा की सीख दी। भारत से हो रहे मांस निर्यात पर चिंता जताई।

'सांसारिक प्राणी स्वार्थी है, लेकिन परमार्थ नहीं'

आचार्य समय सागर महाराज ने कहा कि, सांसारिक प्राणी स्वार्थी है। अपने जीवन को सुख-शांति से बनाने के लिए दूरदृष्टि रखता है, लेकिन परमार्थ उसके जीवन में हाथ नहीं रख सकता। उन्होंने कहा कि सुना है भारत से मांस निर्यात होता है। इसे बंद करने के लिए पुरुषार्थ करना चाहिए। थोड़ी सफलता मिली है, लेकिन आज भी यह कार्य चल रहा है और हम देखकर भी नजरअंदाज कर देते हैं।"

'सभी जीवों के लिए कार्य करते रहें'

मानव के लिए तो बहुत प्रबंध होते हैं, वो सुख-सुविधा से जीता है। प्रतिकूलता आने पर प्रतिकार करता है। लेकिन पशु-पक्षियों के जीवन के लिए हमारी सकारात्मक दृष्टि नहीं है। उनके बारे में विचार कर निरंतर कार्य करते रहना चाहिए। आचार्य श्री ने कहा पेड़, पौधे उनमें भी जीव है। इसलिए संत लोग उसके ऊपर नहीं चलते।

कन्या महाविद्यालय में नशे से दूरी है जरूरी अभियान शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ इटारसी

शासकीय कन्या महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार बुधवार को 'नशे से दूरी, है जरूरी 2.0' जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने शहर के प्रमुख मार्गों से एक विशाल जागरूकता रैली निकालकर समाज को नशा मुक्ति का संदेश दिया। छात्राओं ने हाथों में तख्तियां और स्लोगन लेकर आमजन को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एस. मेहरा ने छात्राओं को समाज में नशा मुक्ति की 'ध्वजवाहक' बताते हुए कहा कि युवाओं को अपनी ऊर्जा का उपयोग समाज की बुराइयों को खत्म करने में करना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्राध्यापकों, स्टाफ सदस्यों और छात्राओं ने जीवन में कभी नशा न करने और समाज को व्यसन मुक्त बनाने में योगदान देने की शपथ ली।

खबर संक्षेप

राशि जमा नहीं करने वालों के कटेंगे कनेक्शन

सारनी। नगर पालिका क्षेत्र में जलावर्धन योजना के तहत पेयजल सप्लाई होती है। सुचारू सप्लाई और संचालन तथा संधारण के लिए जल उपभोक्ताओं से ही राशि वसूल की जाती है, लेकिन सारनी नगर पालिका क्षेत्र में जलावर्धन ठेका कंपनी को संचालन, संधारण के लिए राशि नहीं मिलने के कारण अब कंपनी ने पानी देने से इंकार कर दिया है। यही नहीं कंपनी ने राशि जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने शुरू कर दिए हैं। नगर पालिका क्षेत्र में लक्ष्मी इंजीनियरिंग प्रा. लि. कंपनी जलावर्धन योजना के तहत पेयजल सप्लाई का कार्य करती है। कंपनी ने हाल ही में नगर पालिका को पत्र लिखकर संचालन, संधारण हेतु राशि का अभाव होने का हवाला देते हुए पानी सप्लाई करने से इंकार कर दिया। दरअसल, कंपनी द्वारा जितने कनेक्शन किए गए हैं उनमें से कई लोगों ने कनेक्शन चार्ज जमा नहीं किया है। कई उपभोक्ता मासिक शुल्क जमा नहीं कर रहे हैं। कंपनी ने ऐसे कनेक्शनों को चिन्हित कर इन्हें विच्छेद करने का कार्य शुरू कर दिया है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है जिन्होंने अभी तक कनेक्शन चार्ज जमा नहीं किया है वे जल्द से जल्द नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर कनेक्शन की कार्यवाही करें साथ ही नियमित रूप से नल कनेक्शन का मासिक शुल्क जमा कर होने वाली असुविधा से बचें। नल कनेक्शन के लिए वार्ड 1, 2, 3, 35 एवं वार्ड 36 के ऐसे उपभोक्ता जिनकी संपत्ति पर नगर पालिका का कर अधिरोपित होता है उन्हें वित्तीय वर्ष 2026-27 तक का संपूर्ण संपत्तिकर जमा करना अनिवार्य है। कनेक्शन हेतु आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, समग्र आई.डी., संपत्तिकर की रसीद की छायाप्रति अनिवार्य है।

आत्महत्या केस में आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

बैतूल। आमला की रंजिता यादव (37) आत्महत्या मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) संतोष चौहान की अदालत ने मृतका के ससुर, सास और देवरानी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया। बता दे कि रंजिता यादव 3 जुलाई को अपने घर के बाथरूम में फंदे पर लटकी मिली थीं। परिजनों ने दरवाजा तोड़कर उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मायके पक्ष ने सास, ससुर और देवरानी पर मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए थे। पुलिस जांच के बाद आमला थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108 और 3(5) के तहत आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण का मामला दर्ज किया गया। थाना प्रभारी मुकेश ठाकुर ने बताया कि अपराध क्रमांक 287/2026 में एफआईआर दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इधर अग्रिम जमानत याचिका मृतका के ससुर, सास, और देवरानी ने दायर की थी। बचाव पक्ष ने अदालत में कहा कि रंजिता लंबे समय से डिप्रेशन, एंग्जायटी और ओवरथिंकिंग जैसी मानसिक समस्याओं से जूझ रही थीं। उनका इंदौर और नागपुर में मनोचिकित्सकों से इलाज भी चल रहा था। बचाव पक्ष का कहना था कि ससुराल पक्ष ने कभी प्रताड़ित नहीं किया और आत्महत्या का कारण उनकी मानसिक स्थिति थी। वहीं अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध करते हुए अदालत से कहा कि मामला गंभीर है और आरोपियों के खिलाफ प्रथम दृष्टया पर्याप्त आधार हैं। अभियोजन ने यह भी बताया कि मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी गिरफ्तारी से बच रहे हैं।

19 को बैतूल से रवाना होगी हरिद्वार के लिए ट्रेन

बैतूल। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत हरिद्वार के लिए एक 14 बोगी की स्पेशल ट्रेन 19 जुलाई को बैतूल से सुबह 10.10 पर प्रारंभ होगी। यह ट्रेन इटारसी, बीना, विरांगना लक्ष्मीबाई नगर, आगरा कैंट, देवबंद, रुडक़ी होते हुए 20 तारीख को 14.30 पर हरिद्वार पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 21 जुलाई को हरिद्वार से 20.00 बजे निकलेगी एवं रुडक़ी, देवबंद, आगरा कैंट ,बीना, इटारसी होते हुए बैतूल 22 जुलाई को 23.40 पर आएगी।

भविष्य में टंकियां जर्जर पुरानी होती हैं तो हो सकता है बड़ा नुकसान

अनदेखी: टंकी के आसपास कहीं बसाहट, तो कहीं लग रहीं दुकानें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैतूल

नगरपालिका की अनदेखी से लोगों की जान खतरे में है। यह इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि शहर की पानी टंकियों के आसपास दुकानें लग रही है। जहां दिनभर लोगों की भीड़ बनी रहती है। ऐसे में यदि टंकी गिरी तो भविष्य में बड़े हादसे का कारण बन सकती है। दरअसल शहर के कोठी बाजार क्षेत्र में जर्जर टंकी तोडक़र बनाई गई नई पानी टंकी के नीचे की खाली जगह पर अब अतिक्रमण से हटवाए गए विस्थापित दुकानदार नियम तोडक़र दुकानें लगाने लगे हैं, जबकि पानी टंकी के नीचे टंकी की ऊंचाई के बराबर दूरी, यानी 59 फीट तक कोई दुकान या मकान नहीं होना चाहिए। नहीं तो इसके गिरने से जान-माल का नुकसान हो सकता है। लेकिन यहां नगरपालिका खुद ही अपने नियम तुड़वा रही है। सुरक्षा मापदंड ताक पर हैं। टंकी के नीचे 20 फीट की दूरी पर दुकानें लगाई जा रही हैं। दुकानदारों को किसी अन्य सुरक्षित जगह जमीन देने के इंतजाम नहीं किए हैं। जबकि अभिनंदन सरोवर के पीछे, सुभाष स्कूल के पास और अन्य जगह जमीनें खाली पड़ी हैं। नपा चाहे तो इन दुकानदारों को यहां विस्थापित कर सकती है, किन्तु नपा के अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है।

मापदंड ताक पर, टंकी के आसपास बसाहट

नियमानुसार टंकी नीचे ऊंचाई के बराबर जमीन खाली होना चाहिए। लेकिन शहर के हालात इसके बिलकुल उलटे है। 59 फीट ऊंची टंकी के नीचे 35 से 40 फीट की दूरी पर ही कंस्ट्रक्शन टिकारी और क्रीड़ा परिसर, हमलापुर में पाए गए। यहां टंकी के नीचे घनी बसाहट थी। टिकारी में टंकी के चारों ओर में से एक ओर आबादी है, तो दो दिशाओं में ड्रग स्टोर और नर्सिंग ट्रेनिंग सेंटर संचालित हो रहे है। मतलब, यदि भविष्य में टंकी किसी भी दिशा में गिरती है तो नुकसान की पूरी आशंका रहेगी। क्रीड़ा परिसर में भी स्टूडेंट्स खेलते हैं। खेल मैदान है। सामने दोनों ओर बसाहट है। सदर ओवर ब्रिज के ठीक बगल में टंकी है। यदि यह गिरती है तो ब्रिज पर ही गिरेगी। जानकारों का कहना है कि टंकी जितनी ऊंची होती है, उसके आसपास उतनी जगह खाली होनी चाहिए। एहतियात के रूप में ऐसा करना जरूरी है। यदि टंकी कभी गिरती है तो इससे नुकसान नहीं होगा।

नई टंकियों के निर्माण में भी मापदंडों की अनदेखी

शहर में 4 अन्य जगहों पर भी अमृत-2 योजना के तहत 11 करोड़ के प्रोजेक्ट में चार नई टंकियां बनाई जा रही हैं। टंकियां अब ऊंचाइयों की बुलंदियों पर पहुंचकर आसमान छूने लगी हैं। लेकिन नपा इन सभी 59 फीट ऊंचाई वाली टंकियों को घनी बसाहट में बना रही है। यदि ये टंकियां भविष्य में जर्जर होती हैं, या फिर गिरती हैं, तो नीचे जान-माल का नुकसान हो सकता है। वहीं कोठी बाजार की 2010 की घटना की तरह, यदि जर्जर टंकी को ब्लास्टिंग से उड़ाने की स्थिति बनी, तो बस्ती खाली करवाना मुश्किल हो जाएगा। टिकारी, सदर, हमलापुर में टंकियां लगभग बनने की कगार पर हैं। ऐसे में शुरूआत से ही नियमों का पालन जरूरी था, लेकिन नगरपालिका ने आनन-फानन में टंकियों का निर्माण शुरू कर दिया, जिसका खामियाजा भविष्य में आसपास रहने वाले लोगों को चुकाना पड़ सकता है।

न्यूनतम 30 वर्ष होती है पानी की टंकी की आयु

जानकार बताते है कि किसी भी पानी की टंकी की न्यूनतम आयु 30 वर्ष होती है। यदि समय-समय पर उसकी देखरेख की जाए तो यह 50 वर्ष से अधिक समय तक भी सुरक्षित रह सकती है। हालांकि नपा अधिकारियों का कहना है कि जैसे ही टंकी की आयु पूर्ण होती है या टंकी के जर्जर अवस्था में पहुंचने से पहले ही टंकी को गिरवा दिया जाता है, ताकि किसी प्रकार का खतरा न बना रहे। इसके अलावा टंकी के आसपास सुरक्षात्मक उपाये भी किये जाते है, बाउंड्रीवाल बनाई जाती है, ताकि कोई टँकी परिसर में प्रवेश न कर सके। नपा अधिकारियों का कहना है कि चूंकि पानी की सप्लाई आबादी क्षेत्र में करना होता है, इसलिए टंकी निर्माण के लिए ऐसी जगहों का चयन करना पड़ता है, जहां से आसानीपूर्वक लोगों तक पानी पहुंचाया जा सके। इसी वजह से जगह का चयन कर निर्माण कराया जाता है।

अमृत प्रोजेक्ट के तहत बन रही 4 नई टंकियां

शहर में जल प्रदाय की क्षमता बढ़ाने के लिए अमृत प्रोजेक्ट के तहत 4 अतिरिक्त टंकियां बनाई जा रही है। इन टंकियों का निर्माण 11 करोड़ रुपये की लागत से हो रहा है। इस कार्य का जिम्मा ठेका कंपनी को सौंपा गया है। बताया जा रहा है कि टिकारी, हमलापुर में टंकियां लगभग बनने की कगार पर हैं, वहीं राजेन्द्र वार्ड में काम शुरू ही हुआ हुआ है। वैसे तो नियम के अनुसार टंकी की ऊंचाई जितनी है उसके नीचे उतनी दूरी तक कोई कंस्ट्रक्शन नहीं होना चाहिए। लेकिन शहर में इसके उलटा हो रहा है। 59 फीट ऊंची पानी टंकी के नीचे 35 से 40 फीट की दूरी पर हमलापुर में क्रीड़ा परिसर पाए गए। यहां घनी बसाहट टंकी के पास ही है। बताया जा रहा है कि जो पानी की टंकियां बना रही है, उसके कार्य की गति भी बहुत धीमी है। कंपनी को यह कार्य 14 सितंबर 2025 तक पूरा करना था। लेकिन टंकियों का निर्माण अभी तक पूरा नहीं हुआ है। यह बात अलग है कि परिषद ने कंपनी को काम पूरा करने के लिए एक साल का और एक्सटेंशन दिया है। अब कंपनी को यह कार्य 14 सितंबर 2026 तक पूरा करना होगा।

इंतजाम करवाएंगे

लोगों की सुविधा के लिए कंस्ट्रक्शन करने जरूरी होते हैं। पेयजल सप्लाई के लिए कई बार ढलान के हिसाब से टंकी बनाने जमीन नहीं मिल पाती है। इस कारण जो जमीन मिलती है उस पर कंस्ट्रक्शन करना मजबूरी बन जाता है। फिर भी जितने बेहतर सुरक्षा इंतजाम हम करवा सकते है, करवाएंगे।

नागेन्द्र निगम, सब इंजीनियर
नगरपालिका बैतूल

थोड़ी राहत: साप्ताहिक बाजार में डलवाई मुरम और बजरी

हरिभूमिन्यूज ▶▶ शाहपुर

शाहपुर नगर के साप्ताहिक बाजार में कीचड़ और जलभराव होने की समस्या को देखते हुए नगर परिषद शाहपुर ने मंगलवार को जलभराव एवं कीचड़ वाले स्थानों पर मुरम और बजरी डालकर व्यवस्था सुधारी है। नगर परिषद के इस कदम से लोगों और व्यापारियों ने राहत की सांस ली।

हरिभूमि ने उठाई थी व्यापारियों की समस्या

नगर के साप्ताहिक बाजार में बारिश के कारण कीचड़ और जलभराव की स्थिति और व्यापारियों, ग्राहकों की परेशानी को देखते हुए गत 11 जुलाई को दैनिक समाचार पत्र हरिभूमि ने प्रमुखता से अपने अखबार में इस समस्या को रखा था। समाचार के प्रकाशन के बाद कलेक्टर ने उक्त समस्या को संज्ञान में लेकर नगर परिषद के अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए थे। इस पर नगर परिषद के अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया और जलभराव तथा कीचड़ वाले स्थानों पर मुरम डालकर भराव कराया। इससे अब व्यापारियों और नागरिकों को साप्ताहिक बाजार में आने-जाने की दिक्कतें नहीं होगी।

समस्या का स्थाई हल जरूरी

नगर के साप्ताहिक बाजार में कीचड़ और जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, जिसके कारण व्यापारियों को हर साल बारिश के दिनों में दुकान लगाने और ग्राहकों को सामान आदि खरीदने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। व्यापारियों द्वारा नगर परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों को इस समस्या से कई बार अवगत कराया जा चुका है लेकिन अब तक इसका सही निराकरण नहीं हो सका है। नगर परिषद की बैठक में इस पर विचार विमर्श होना जरूरी है। बाजार क्षेत्र में चबूतरे एवं टीन शेड व्यवस्थित हो जाने से लोगों को राहत मिलेगी।

बारिश का पानी भरने से होती थी समस्या

नगर के साप्ताहिक बाजार में बारिश के दौरान कीचड़ होने और बारिश का पानी भरने की समस्या सामने आई थी, व्यापारियों ने भी इस संबंध में शिकायत की थी, इसको देखते हुए साप्ताहिक बाजार में जल भराव वाले क्षेत्र में बजरी और मुरम दलाई गई है ताकि व्यापारियों को दुकान लगाने में कोई असुविधा न हो, बाजार क्षेत्र में चबूतरे व टीन शेड आदि को व्यवस्थित करने के लिए भी अध्यक्ष महोदय और सभी पार्षद गणों से चर्चा की जाएगी।

एस..आर. पंडाग्रे, सीएमओ, नगर परिषद, शाहपुर

दुष्कर्म और गर्भपात मामले में बड़ी कार्रवाई

पांढुर्ना की निजी अस्पताल संचालक डॉक्टर गिरफ्तार, मामले की जांच शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलताई

नाबालिग से दुष्कर्म और उसके बाद अवैध रूप से गर्भपात कराने के चर्चित मामले में मुलताई पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बुधवार को पांढुर्ना स्थित एक निजी अस्पताल की संचालक डॉ. चेतना उर्फ राधा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। मामले में मुख्य आरोपी अमित साहू तथा उसके भाई राजेंद्र (गजेंद्र) साहू सहित अन्य आरोपियों के विरुद्ध पहले से प्रकरण दर्ज है। थाना प्रभारी विकास पटेल ने बताया कि विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि दुष्कर्म की घटना के बाद नाबालिग पीड़िता गर्भवती हो गई थी। इसके बाद आरोपी उसे पांढुर्ना के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉ. चेतना उर्फ राधा ने कथित रूप से नियमों की अनदेखी करते हुए उसका अवैध गर्भपात किया। जांच में डॉक्टर की भूमिका स्पष्ट होने पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी अमित साहू पर नाबालिग से दुष्कर्म करने का आरोप है, जबकि उसके भाई राजेंद्र (गजेंद्र) साहू पर पीड़िता का अवैध गर्भपात कराने में सहयोग करने का आरोप है।

पुलिस की कार्रवाई, खाल, जबड़ा और

घर के पीछे गोवंश का अवैध वध पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सारणी

सारणी पुलिस ने गौवंश का अवैध वध करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से गाय के बछड़े की खाल, जबड़ा तथा घटना में प्रयुक्त धारदार लोहे की छुरी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार 14 जुलाई को पाटाखेड़ा निवासी अखिलेश कामडे ने थाना सारणी में शिकायत दर्ज कराई कि सुभाष बिंझाडे ने अपने घर के पीछे अवैध रूप से गौवंश का वध किया है। सूचना के आधार पर थाना सारणी में मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम, 2004 की धारा 4 एवं 5 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक जयपाल इनवाती के नेतृत्व में गठित टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और मुखबिर तंत्र व तकनीकी जानकारी के आधार पर आरोपी सुभाष पिता गल्लू बिंझाडे (48), निवासी शनि मंदिर के पास, पाटाखेड़ा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गाय के बछड़े की लाल रंग की खाल, जबड़ा तथा घटना में प्रयुक्त धारदार लोहे की छुरी जब्त की है। आरोपी को बुधवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

अव्यवस्था फैलाने व अश्लील गीत बजाने पर होगी सख्त कार्रवाई

ताप्ती जन्मोत्सव: सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलताई

मां ताप्ती जन्मोत्सव की तैयारियां अब तेज हो गई हैं। सप्ताह भर चलने वाले ताप्ती जन्मोत्सव के विभिन्न कार्यक्रम प्रारंभ हो चुके हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मुलताई पुलिस ने सुरक्षा, यातायात एवं कानून-व्यवस्था को लेकर आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में थाना प्रभारी विकास पटेल के नेतृत्व में डीजे संचालकों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी संचालकों को ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन करने और प्रशासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही डीजे वाहनों का संचालन करने के निर्देश दिए गए। बैठक में थाना प्रभारी विकास पटेल ने स्पष्ट कहा कि ताप्ती जन्मोत्सव की गरिमा बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि डीजे वाहन निर्धारित मार्ग और समय का पालन करें तथा किसी भी स्थिति में यातायात व्यवस्था बाधित न होने दें।

पिछले वर्ष की अव्यवस्था से लिया सबक

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष ताप्ती जन्मोत्सव के दौरान झांकियों और श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच अचानक बड़ी संख्या में डीजे वाहन परिक्रमा मार्ग में प्रवेश कर गए थे। कुछ वाहन विपरीत दिशा से भी भीड़ में शामिल हो गए, जिससे थाना परिसर से फव्वारा चौक तक लंबा जाम लग गया था। भारी भीड़ और डीजे की तेज आवाज के कारण विशेष रूप से महिला श्रद्धालुओं, बुजुर्गों और बाहर से आए भक्तों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था।

इस वर्ष प्रशासन पूरी तरह सतर्क

पिछले वर्ष के अनुभव को देखते हुए इस बार मुलताई पुलिस एवं स्थानीय सामाजिक संगठन पहले से ही सतर्क हैं। प्रशासन का प्रयास है कि ताप्ती जन्मोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं को सुगम आवागमन, सुरक्षित वातावरण और व्यवस्थित आयोजन का लाभ मिले। पुलिस ने सभी डीजे संचालकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि मां ताप्ती जन्मोत्सव की गरिमा बनाए रखने में सभी अपनी जिम्मेदारी निभाएं, ताकि यह धार्मिक आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित और अनुशासित वातावरण में संपन्न हो सके।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 का जिले में शुभारंभ, नशे के खिलाफ जिले में 30 जुलाई तक चलेगा अभियान

पुलिस परेड ग्राउंड से निकली जागरूकता रैली, नशा मुक्ति की दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैतूल

जिले में नशे के खिलाफ व्यापक जनजागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 का औपचारिक शुभारंभ 15 जुलाई को पुलिस परेड ग्राउंड से किया गया। इस अवसर पर यहां से जागरूकता रैली एवं ड्रग अवेयरनेस रन का आयोजन किया गया। पुलिस अधिक वीरेंद्र जैन ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली प्रमुख मार्गों से होते वापस पुलिस ग्राउंड पहुंची। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री जैन ने कहा कि नशा व्यक्ति को ही नहीं पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। युवाओं को नशे जैसी बुराई से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल और सकारात्मक कार्यों में लगानी चाहिए। एसपी श्री जैन ने बताया कि 15 जुलाई से 30 जुलाई तक जिलेभर में प्रतिदिन जागरूकता रैलियां, पंपलेट वितरण, नुक्कड़ सभाएं, बैनर-पोस्टर, शॉर्ट फिल्म प्रदर्शन और अन्य जनसंपर्क गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही नशे के चिन्हित स्थलों पर पहुंचकर लोगों को नशा छोडऩे के लिए प्रेरित किया जाएगा तथा युवाओं और अभिभावकों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा। अभियान के शुभारंभ एडिशनल एसपी कमलेश कुमार खरपुसे, उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग सुश्री रोशनी वर्मा, एसडीओपी बैतूल अन्नपूर्णा सिरसाम, डीएसपी शेफा हाशमी सहित अन्य विभागीय अधिकारी, पुलिसकर्मी, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, खिलाड़ी उपस्थित रहे।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत खेल एवं युवा कल्याण विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, नगर पालिका सहित अन्य विभाग, स्वयंसेवी संस्थाएं एनजीओ एवं ग्राम रक्षा समितियां 30 जुलाई तक नशे के विरुद्ध जन जागरूकता गतिविधियां आयोजित करेगी। अभियान के तहत 16 जुलाई को स्कूल-कॉलेजों में रील, शॉर्ट फिल्म सहित जनजागरूकता कार्यक्रम एवं शपथ का आयोजन होगा। वहीं 17 जुलाई को व्याख्यान, लघु फिल्म प्रदर्शन तथा स्कूलों के आसपास तंबाकू-सिगरेट की गुमठियां नहीं होने का सत्यापन किया जाएगा। साथ ही 18 जुलाई को झुग्गी-झोपड़ी एवं चिन्हित क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम, नशा पीड़ितों और उनके परिजनों को पुनर्वास केंद्रों की जानकारी तथा चिकित्सीय परामर्श दिया जाएगा तथा 19 जुलाई को ऑटो एवं शासकीय वाहनों पर पोस्टर, सार्वजनिक स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक किया जाएगा।

नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ, पीएलएस स्कूल के विद्यार्थियों ने लिया जागरूकता का संकल्प

सारणी। जिले में नशे के खिलाफ जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बुधवार को थाना सारणी द्वारा नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ पीएलएस स्कूल से किया गया। अभियान के पहले दिन विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा उन्हें समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया।

पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के तहत 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक जिले के विद्यालयों, महाविद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं विभिन्न संस्थानों में जागरूकता रैली, शपथ ग्रहण, व्याख्यान, प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक, जनसंवाद और अन्य जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शुभारंभ कार्यक्रम में थाना सारणी पुलिस स्टाफ एवं पीएलएस स्कूल के शिक्षकगण उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प दिलाया गया। थाना सारणी पुलिस ने सभी नागरिकों से अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील करते हुए नशे से दूर रहने का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया है, ताकि नशा-मुक्त बैतूल और नशा-मुक्त मध्यप्रदेश के निर्माण में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

खबर संक्षेप

आईएफएमआईएस केयर्स कैंप 16 व 17 जुलाई को

सोहोर। आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर के उपयोग में होने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के लिए 16 एवं 17 जुलाई को जिला कोषालय में आईएफएमआईएस केयर्स कैंप आयोजित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर का उपयोग विभिन्न प्रकार के वित्तीय संव्यवहार में किया जाता है। इस व्यवस्था के उपयोग में कई बार समस्याएं आती है इन समस्याओं का त्वरित निराकरण करने और आहरण-संवितरण अधिकारियों को समाधान से अवगत कराने के लिए यह कैंप लगाया जा रहा है।

आज किसान महासंघ देगा डीएम को ज्ञापन

सीहोर। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ और देश बचाओ मोर्चा बुधवार दोपहर में प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन कलेक्टर को देगा। महासंघ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता किसान भारत अमेरिका मुक्त व्यापार फ्री ट्रेड डील समझोते को लेकर कड़ा विरोध कलेक्ट्रेट में दर्ज कराएंगे। प्रदर्शन में जिले भर के किसान सम्मिलित होकर इस देश विरोधी डील को निरस्त करने और किसानों की समस्याओं का निराकरण करने मांगों को पूरा करने की मांग केंद्र सरकार से करेंगे। रजिला अध्यक्ष कचरू परमार ने बताया कि प्रस्तावित भारत अमेरिका ट्रेड डील देश के किसानों खेत मजदूरों की बात करेंगे।

कलेक्टर ने बुधवार को पचमढ़ी में उच्चाधिकारियों की के साथ की समीक्षा बैठक की

पचमढ़ी में 8 अगस्त से शुरू होगी मध्य प्रदेश की अमरनाथ यात्रा नागद्वारी

सतपुड़ा की रानी' कहे जाने वाले पचमढ़ी में 8 अगस्त से 'नागद्वारी मेले' की शुरुआत होने जा रही है। मेले के आयोजन को लेकर कलेक्टर ने पचमढ़ी में सभी संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली।

हरिभूमि न्यूज ⏭ पचमढी

मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशन और 'सतपुड़ा की रानी' कहे जाने वाले पचमढ़ी में आगामी 8 अगस्त से ऐतिहासिक और आस्था के प्रतीक 'नागद्वारी मेले' की शुरुआत होने जा रही है। 17 अगस्त तक चलने वाले इस मेले को मध्य प्रदेश की अमरनाथ यात्रा भी कहा जाता है। मेले के सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बुधवार को संजय गांधी संस्थान, पचमढ़ी में सभी संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली।

बैठक में पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस थोटा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एसडीएम आकिप खान और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (STR) की उपसंचालक ऋषभा नेताम सहित कई विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने दोटूक शब्दों में कहा कि नागद्वारी क्षेत्र एक बेहद संवेदनशील वन क्षेत्र है, इसलिए आस्था और भक्ति के साथ-साथ प्राकृतिक संपदा और वन्यजीवों की सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखा जाए। उन्होंने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं 30 जुलाई तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर के कड़े निर्देश प्रशासन की चौतरफा तैयारी

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि मेला मार्ग और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में रोटेशन के आधार पर मेडिकल टीमें और एंबुलेंस तैनात की जाएं। वन क्षेत्र होने के कारण स्नेक बाइट (सर्पदंश) की घटनाओं से निपटने के लिए पर्याप्त मात्रा में एंटी वेनम किट और उन्हें प्रशासित करने वाले प्रशिक्षित कर्मी तैनात रहेंगे। PHE विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल की निरंतर आपूर्ति हो। बिजली विभाग को निर्बाध बिजली देने के साथ-साथ यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि खुले जोड़ों को पूरी तरह बंद किया जाए ताकि करंट लगने की कोई अप्रिय घटना न हो।

प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध

कलेक्टर ने मेला मंडलों के सदस्यों के साथ भी विस्तृत चर्चा की। मंडलों की मांग पर 4 अगस्त से सामग्री ले जाने और मेला खत्म होने के बाद 2 दिनों तक सामग्री वापस लाने की छूट दी गई है। कलेक्टर ने सख्त लहजे में कहा कि मेले में प्लास्टिक के उपयोग को किसी भी रूप में प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि वे इस पावन यात्रा के दौरान प्रकृति और पर्यावरण को कोई नुकसान न पहुंचाएं।

नागद्वारी: क्यों कहलाती है अमरनाथ यात्रा ?

भौगोलिक और धार्मिक दृष्टि से नागद्वारी यात्रा को अत्यंत कठिन और चमत्कारी माना जाता है। सतपुड़ा की घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों और गहरी खाइयों के बीच स्थित नागद्वारी गुफा तक पहुंचने का रास्ता ठीक वैसा ही रोमांचक और चुनौतीपूर्ण है जैसा अमरनाथ यात्रा का होता है।

कालसर्प दोष से मुक्ति: मान्यता है कि नागपंचमी के अवसर पर नागद्वारी की गुफा में विराजमान शिवलिंग और नागदेवता के दर्शन करने से कुंडली के बड़े से बड़े सर्प दोष और कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है।

दुर्गम पहाड़ियों का सफर: श्रद्धालु लगभग 12 से 15 किलोमीटर की अत्यंत कठिन पैदल ट्रैकिंग करते हैं। इस मार्ग में 'जलगली', 'चिंतामणि' और 'काजरी' जैसे दुर्गम और संकरे रास्ते आते हैं, जहां से गुजरते समय श्रद्धालुओं के रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

सावन में उमड़ता है जनसैलाब: हर साल महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, गुजरात और मध्य प्रदेश के लाखों श्रद्धालु हर-हर महादेव और नागदेवता की जय के जयकारों के साथ यहां पहुंचते हैं।

शिवराज पार्क की बदहाली पर कांग्रेस का हमला, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनीमालवा

शहर के सबसे बड़े एवं प्रमुख सार्वजनिक स्थल शिवराज पार्क की बदहाल स्थिति को लेकर नगर कांग्रेस कमेटी ने नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नगर कांग्रेस अध्यक्ष स्वदेश शर्मा के नेतृत्व में कलेक्टर को विस्तृत ज्ञापन सौंपकर पार्क में फैली अव्यवस्थाओं, सुरक्षा संबंधी खामियों और नगर पालिका की कथित लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई।

शहर का सबसे बड़ा पार्क बना उपेक्षा का शिकार

ज्ञापन में बताया गया कि शिवराज पार्क लंबे समय से नियमित देखरेख और रखरखाव नहीं होने के कारण पार्क की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। पार्क में जंगली घास, कांटेदार झाड़ियां एवं अन्य वनस्पतियां अत्यधिक मात्रा में फैल गई हैं, जिससे यह स्थान जंगली जीव-जंतुओं का आश्रय बनता जा रहा है और पार्क में आने वाले लोगों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

सीएमओ को हटाने तक की उठी मांग

कांग्रेस ने कलेक्टर से पार्क की तत्काल साफ-सफाई, निराई, कटाई एवं छंटाई, जंगली घास और झाड़ियों को हटाने, बंद फव्वारे को चालू करने, गंदे पानी की निकासी, नियमित फॉगिंग एवं दवा का छिड़काव, चमगादड़ों और दुर्गंध की समस्या का स्थायी समाधान तथा वर्षों से बंद पड़े जनरेटर को चालू कराने की मांग की है। साथ ही शिवराज पार्क के रखरखाव में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सिवनी मालवा नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को तत्काल पद से हटाने की मांग भी की गई है।

दिया सात दिन का अल्टीमेटम

नगर कांग्रेस अध्यक्ष स्वदेश शर्मा ने कहा कि यदि सात दिनों के भीतर शिवराज पार्क की सभी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी जनहित में लोकतांत्रिक आंदोलन करेगी, इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

रामगंज के अति जलभराव वाले मोड़ तक रोड बढ़ाने की मांग

सोहागपुर । नप ने स्टेट हाईवे किनारे शंकर मंदिर के समीप लगभग 90 मीटर लंबी कायाकल्प रोड नौ लाख रुपए लागत से बनाई है। नागरिकों का कहना है कि रोड को रामगंज मोड़ के पहले तक बनाया गया है। जबकि ठीक मोड़ पर अति जलभराव स्थल है। अतः कायाकल्प रोड को पूरे मोड़ तक कवर किया जाए। ताकि अति जलभराव की समस्या से छुटकारा मिल सके।

तीन दिवसीय सामूहिक अवकाश पर रहेंगे पटवारी,लंबित मांगों को लेकर होगा आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनीमालवा

मध्यप्रदेश पटवारी संघ की वर्षों से लंबित मांगों को लेकर प्रदेशभर में आंदोलन की रणनीति तेज हो गई है। इसी क्रम में प्रांतीय पटवारी संघ, तहसील सिवनी मालवा ने तहसीलदार को पत्र सौंपकर तीन दिन के आकस्मिक अवकाश एवं मुख्यालय छोड़ने की अनुमति मांगी है। संघ का कहना है कि प्रदेश स्तर पर प्रस्तावित महाआंदोलन के समर्थन में सिवनी मालवा तहसील के सभी पटवारी सामूहिक रूप से आंदोलन में भाग लेंगे।

शासन के नाम सौंपा ज्ञापन

संघ द्वारा तहसीलदार को दिए गए आवेदन के अनुसार, मध्यप्रदेश पटवारी संघ द्वारा 8 जुलाई 2026 को प्रदेश के प्रत्येक जिले से भोपाल पहुंचकर शासन के नाम ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बावजूद पटवारियों की न्यायोचित मांगों पर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया। इसी के विरोध में प्रांतीय पटवारी संघ के आह्वान पर सिवनी मालवा तहसील के सभी पटवारियों ने आंदोलन में शामिल होने का निर्णय लिया है। संघ ने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि 15 जुलाई 2026 से 17 जुलाई 2026 तक तीन दिन का आकस्मिक अवकाश स्वीकृत किया जाए। साथ ही 18 एवं 19 जुलाई 2026 को शासकीय अवकाश होने के कारण 15 जुलाई से 19 जुलाई 2026 तक मुख्यालय छोड़ने की अनुमति भी प्रदान की जाए, ताकि पटवारी आंदोलन संबंधी गतिविधियों में भाग ले सकें।

संघ पदाधिकारियों ने किया आवेदन प्रस्तुत

यह आवेदन प्रांतीय पटवारी संघ, तहसील सिवनी मालवा की ओर से तहसील अध्यक्ष दीपेश सराठे, तहसील उपाध्यक्ष विनय तिवारी तथा तहसील सचिव पवन ताम्रकार के नेतृत्व में तहसीलदार को सौंपा गया। आवेदन पर तहसील के अनेक पटवारियों के हस्ताक्षर भी दर्ज हैं, जो आंदोलन के प्रति उनके सामूहिक समर्थन को दर्शाते हैं।

किसान संघ ने मंडी गेट में डाला ताला, किया धरना प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिपरिया

पिपरिया कृषि उपज मंडी परिसर के मुख्य द्वार पर राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करते हुए मंडी गेट पर ताला लगा कर नारेबाजी की गई। मुख्यमंत्री के नाम नायाब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में अमेरिका ट्रेड मुक्त व्यापार समझौता रद्द करने तथा समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी एवं खाद डीएपी खाद यूरिया खाद की समस्या का निराकरण करने की मांग की गई है। किसानों की ग्रीष्मकालीन मूंग को शत प्रतिशत खरीदी करने की मांग की गई है। ई टोकन सिस्टम में बदलाव कर सुधार करने की मांग,

बिजली कटौती कम करने तथा डीएपी समय पर उपलब्ध कराये जाने जैसे समस्याओं की मांग की है। इस दौरान शिवराज राजौरिया जिला अध्यक्ष सहित अनेक किसान मजदूर महासंघ के पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

मिशन शक्ति: किशोरी बालिकाओं ने जाना शासकीय कार्यालयों का कामकाज, रोपे पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनीमालवा

महिला एवं बाल विकास विभाग के 'मिशन शक्ति' अभियान के अंतर्गत पचमढ़ी सेक्टर में किशोरी बालिकाओं के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 20 से 25 बालिकाओं के दल को क्षेत्र के विभिन्न शासकीय कार्यालयों का भ्रमण कराकर वहाँ की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए बालिकाओं को पौधे भी वितरित किए गए।

पोस्ट ऑफिस में सीखीं डाक सेवाएं

भ्रमण की शुरुआत में बालिकाएँ स्थानीय पोस्ट ऑफिस पहुँचीं। यहाँ अधिकारी विष्णु विश्वकर्मा ने बालिकाओं को पोस्टकार्ड, अंतर्देशीय पत्र और लिफाफों के उपयोग व डाक टिकटों के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। इसके साथ ही उन्होंने बालिकाओं का मार्गदर्शन करते हुए बताया कि यदि वे भविष्य में भारतीय डाक विभाग (पोस्ट ऑफिस) में नौकरी करने की इच्छुक हैं, तो उन्हें किस तरह तैयारी करनी होगी और इसके लिए क्या योग्यताएँ आवश्यक हैं।

साडा कार्यालय की कार्यप्रणाली को समझा :: इसके बाद बालिकाओं के दल ने विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) पचमढ़ी कार्यालय का दौरा किया। यहाँ श्री अशोक नागवंशी ने बालिकाओं को साडा की कार्यप्रणाली, शहर के विकास, स्वच्छता और प्रशासनिक व्यवस्थाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया।

उद्यानिकी विभाग में सीखी ग्राफ्टिंग तकनीक, मिला पौधों का उपहार :: शैक्षणिक भ्रमण के अंतिम चरण में बालिकाएँ उद्यानिकी विभाग पहुँचीं, जहाँ विभाग के अधिकारी श्री औसारे जी द्वारा बालिकाओं को विस्तृत और व्यावहारिक जानकारी दी गई। उन्होंने पौधों की बडिंग कली लगाना/ग्राफ्टिंग) तकनीक का सजीव प्रदर्शन कर बालिकाओं को कृषि और बागवानी के आधुनिक तौर-तरीके सिखाए।

वृद्धाश्रम बना मनोरंजन का अड्डा, वृद्धाश्रम में मरम्मत कार्य की है अत्यंत आवश्यकता

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिपरिया

पिपरिया नगरपालिका परिषद के द्वारा संचालित वृद्धाश्रम के भवन में सिडियो से लेकर दीवाल छत की वांउडरी बाल में भी जगह-जगह दीवाल में दरारें पड़ रही है।बाहर की तरफ खिड़की पर गेट ही नहीं है। पर्दे जारी से ढक कर रखा गया है।ऊपर के विंडो लोहे के होने के कारण आफिस में ही खतरा बना हुआ है।पूरे भवन निर्माण कार्य में ठेकेदार एवं उपमंत्री के द्वारा घटिया निर्माण कार्य किया गया था। गुणवता विहिन भवन बनाया गया है। बरसात के

समय सोना भी मुश्किल हो जाता था। लेकिन अभी तक किसी भी तरह से देखभाल नहीं की गई थी। जबकि उपसंचालक संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा भी विगत दिनों मरम्मत कार्य करने हेतु निर्देश दिए गए थे। सामने गैलरी में ही अनेकानेक जगहों पर प्लास्टर गिरा हुआ है। अग्नि शामक यंत्र जंग लग कर सड चुके हैं। पूर्व में भी समाचार लग चुका है। भोजन पानी आदि की अच्छी व्यवस्था है। सेवा में कोई कमी नहीं है। सिर्फ भवन निर्माण कार्य की आज नवीन की आवश्यकता है। दुसरी तरफ वृद्धाश्रम को गीत संगीत के शौकीन स्टाफ के लोगों ने लगातार फ्लेक्स लगाकर रखा हे। सुरों का संगम इससे ऐसा प्रतीत होता है कि मनोरंजन का अड्डा बना हुआ है। वृद्धाश्रम जबकि रात्रि आराम करने के लिए है।

सोहागपुर में आज पहली बार होगा जगन्नाथ रथयात्रा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोहागपुर

सोहागपुर क्षेत्र में गुरुवार को एक विशेष धार्मिकोत्सव होगा। जिसमें क्षेत्र में पहली बार भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन होगा। आयोजन शारदा सेवा संघ सोहागपुर शाखा द्वारा किया जाएगा। सनातनी आस्था की इस रथ यात्रा में भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान श्री बलभद्र तथा बहन सुभद्रा की प्रतिमाओं को रथ में बिठाया जाएगा, जिनके दर्शन नागरिकों को प्राप्त होंगे। रथ यात्रा आज दोपहर तीन बजे बिहारी चौक से प्रारंभ होगी। यह यात्रा पुराने अस्पताल मार्ग, स्टेट हाईवे, कमानिया गेट मार्ग, पुनः बिहारी चौक एवं मातापुरा वार्ड क्षेत्र से होते हुए रामगंज वार्ड के श्रीराम जानकी मंदिर पहुंचेगी। यहां पूजन एवं प्रसाद वितरण के साथ यात्रा का समापन होगा। आयोजन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने बताया कि रथयात्रा मार्ग की सुंदर सजावट का कार्य लगात ार जारी है। आयोजक सारदा सेवा संघ ने क्षेत्रवासियों से इस रथयात्रा में सम्मिलित होने की अपील की है।

एसपी ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सोहागपुर थाने का एसपी ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोहागपुर

नर्मदापुरम जिला एसपी साईं कृष्णा थोटा ने मंगलवार को सोहागपुर थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने की व्यवस्थाओं, अनुशासित कार्यप्रणाली, सफाई, अभिलेख संधारण एवं जनसुविधाओं की प्रशंसा की। पुलिस अधीक्षक ने टीआई गिरीश त्रिपाठी एवं टीम की कार्यशैली को उत्कृष्ट बताया। उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि सोहागपुर थाना बेहतर पुलिसिंग, अनुशासन और जनसेवा का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभरा है। थाना पहुंचने पर एसडीओपी संजू चौहान एवं थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एसपी थोटा का स्वागत

किया। इसके बाद पुलिस बल द्वारा उन्हें औपचारिक सलामी दी गई। निरीक्षण दौरान एसपी ने कार्यालयीन अभिलेख, केस डायरी, मालखाना, रिकॉर्ड संधारण, परिसर स्वच्छता तथा आमजनों के लिए उपलब्ध बैठक एवं पेयजल सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित एवं अनुकरणीय बताते हुए पूरी टीम की सराहना की।

जन विश्वास का आधार है थाना

अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए एसपी थोटा ने कहा कि थाना केवल कानून व्यवस्था का केंद्र नहीं है, बल्कि यह जन विश्वास और सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने निर्देश दिए कि थाने में आने वाले व्यक्तियों के साथ संवेदी, सम्मानजनक और मानवीय व्यवहार किया जाए। शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

एसपी ने किया पौधरोपण

पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। नवनिर्मित वॉलीबॉल एवं क्रिकेट मैदान का शुभारंभ भी एसपी ने किया। उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियां पुलिस कर्मियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ टीम भावना एवं कार्यक्षमता को भी मजबूत करती हैं।

जिला पंचायत सामान्य सम्मेलन में विकास कार्यों की समीक्षा

नर्मदापुरम । जिला पंचायत नर्मदापुरम के सभाकक्ष में मंगलवार को जिला पंचायत का सामान्य सम्मेलन जिला पंचायत अध्यक्ष राधा सुधीर पटेल की अध्यक्षता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु जैन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। सम्मेलन में जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों की प्रगति, स्वास्थ्य सेवाओं, विद्युत आपूर्ति, ग्रामीण पेयजल व्यवस्था तथा विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। सम्मेलन में जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनोहर लाल पटेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा जिला पंचायत सदस्य उपस्थित रहे।

सांदीपनि विद्यालय निर्माण कार्य में हो रही देरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिपरिया

पिपरिया विकास खण्ड स्तरीय शासकीय सांदीपनि विद्यालय का भवन निर्माण कार्य अभी 3 वर्ष में भी पूर्ण नहीं हुआ है। लगता था कि वर्ष 2026 मे ही सम्पूर्ण भवन प्राचार्य संजीव दुबे को मिल जाएगा क्यूंकि अभी तक विद्यालय के विद्यार्थियों को शरणार्थी की तरह शहीद भगत सिंह कालेज में रखा गया था। ठेकेदार के प्रहलाद सिंह यादव को यह भवन निर्माण कार्य पुरा करकें देना था। लेकिन अभी तक आधे से कम कक्ष तैयार किए गए हैं।

अभी कछुआ गति से काम ही चल रहा है। ऐसी स्थिति में बच्चों को सुरक्षित रखने तथा अच्छी व्यवस्था पढ़ाई-लिखाई के लिए सपने देख रहे थे।पर लगता है इस वर्ष भी पूरा काम नहीं किया जा रहा है। इसलिए कक्षा 1 एवं 2के

4सेकशन बनाए रखने थे। पर कमरे हि तैयार नहीं है।100 कमरो के विद्यालय में मात्र अभी 28 कक्ष ही सौंपे गए हैं। ठेकेदार ने प्राचार्य संजीव दुबे 15जुलाई तक कक्ष सौंपने का वादा किया गया था।

ठेकेदार के कहे अनुसार प्राचार्य ने भी सभी अभाभावको से 15जुलाई तक प्रवेश करने का आश्वासन दिया था। लेकिन विधायक ठाकुरदास नागवंशी ने बताया कि 25 जुलाई तक 10कक्ष और सौंपने को कहा गया है। जब तक सम्पूर्ण भवन निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता है। तब तक जयप्रकाश शाला लक्ष्मीबाई शाला सहित अन्य और के बच्चे को जगह मिलना संभव नहीं है। अभिभावक बच्चों को प्रवेश के नाम पर सिर्फ न मिल रहा है। साथ ही बच्चों से लेकर सभी शिक्षक शिक्षिकाओं छात्राओं छात्र को शौचालय निर्माण कार्य एवं पीने का पानी आवश्यक है। लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है। लेकिन अभी वर्तमान में ठेकेदार पर जूं तक नहीं रेंग रहे हैं।

खबर संक्षेप

नवीन भैरवे बने सीहोर विधानसभा प्रभारी

सीहोर। बहुजन समाज पार्टी ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए नवीन भैरवे को सीहोर विधानसभा प्रभारी नियुक्त किया है। पार्टी नेतृत्व द्वारा की गई इस नियुक्ति को संगठन विस्तार एवं आगामी राजनीतिक गतिविधियों को गति देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नियुक्ति की जानकारी देते हुए जिला महासचिव नरसिंह भारतीय ने बताया कि बहुजन समाज पार्टी लगातार संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए कार्य कर रही है। इसी क्रम में नवीन भैरवे को उनकी सक्रियता, संगठन के प्रति समर्पण तथा कार्यशैली को देखते हुए सीहोर विधानसभा प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवीन भैरवे के नेतृत्व में विधानसभा क्षेत्र में संगठन को नई मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य और अधिक प्रभावी ढंग से किया जाएगा। नियुक्ति पर शुभकामनाएं एवं बधाई देने वालों में बंटी जाटव, धीरज अहिरवार (विधानसभा अध्यक्ष, सीहोर), थान सिंह अहिरवार, देवप्रकाश, रामस्वरूप भारती, विक्की महोबिया, बीरू जाटव, विपिन मालवीय, दुर्गेश मालवीय, विजय मालवीय सहित बड़ी संख्या में बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दिव्यांगजन नीति के संबंध में बैठक आयोजित कर आयुक्त ने लिए सुझाव

सीहोर। दिव्यांगजन आयुक्त डॉ. अजय खेमरिया द्वारा जिला पंचायत सभाकक्ष में राज्य दिव्यांगजन नीति के संबंध में चर्चा एवं सुझाव आमंत्रित करने के उद्देश्य से बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों, दिव्यांगजनों तथा उनसे जुड़े संगठनों के प्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त किए गए। बैठक मे डॉ. अजय खेमरिया ने कहा कि प्रदेश स्तर पर ऐसी समग्र एवं व्यवहारिक दिव्यांगजन नीति तैयार की जानी चाहिए, जिससे दिव्यांगजनों के कल्याण, पुनर्वास और सशक्तिकरण से जुड़े कार्य अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किए जा सकें। उन्होंने कहा कि नीति ऐसी हो, जिससे दिव्यांगजनों को जिला स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा तथा अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ सरलता और समयबद्ध तरीके से प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण में जमीनी अनुभवों और हितधारकों के सुझावों का विशेष महत्व है। इसलिए सभी संबंधित विभागों एवं सामाजिक संगठनों के सुझावों को गंभीरता से शामिल किया जाएगा, ताकि दिव्यांगजनों के लिए अधिक समावेशी, सुविधाजनक एवं परिणाममुखी व्यवस्था विकसित की जा सके।

निजी पब्लिशर्स की किताबों को प्राथमिकता, एनसीईआरटी की अनदेखी

महंगी किताबों से बिगड़ा बजट, कमीशन के खेल के आरोप, नई शिक्षा नीति से भी नहीं मिली राहत

स्थानीय पुस्तक विक्रेताओं का दावा है कि निजी प्रकाशकों और कुछ स्कूल संचालकों के बीच 35 से 40 प्रतिशत तक कमीशन का खेल चलता है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

नवीन शिक्षण सत्र 2026 शुरू होते ही अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। कई निजी स्कूलों में 25 जून से कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। लेकिन बच्चों के प्रवेश, फीस और अन्य व्यवस्थाओं के बीच सबसे बड़ी चिंता महंगी स्कूली किताबों को लेकर सामने आई है। नर्सरी से लेकर कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए निजी पब्लिशर्स की किताबों के सेट हजारों रुपये में उपलब्ध हैं, जिससे अभिभावकों का बजट पूरी तरह गड़बड़ा गया है। कक्षा 6 से लेकर 12वीं तक भी कुछ ऐसी ही स्थिति देखी जा सकती है। कई निजी संस्थाओं ने तो अपने पूरे कोर्स ड्रेस व संसाधनों के नाम फिक्स कर दिए हैं। दुकानों पर पहुंचते ही इन संस्थाओं की ड्रेस सहित अन्य सामग्री फिक्स दाम पर उपलब्ध है। अभिभावकों का कहना है कि नई शिक्षा नीति से उन्हें शिक्षा सस्ती और सुलभ होने की उम्मीद थी। लेकिन निजी स्कूलों में महंगी किताबों का चलन पहले की तरह जारी है। इस वर्ष भी प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी पहल दिखाई नहीं दी, जिससे पालकों में नाराजगी है।

किताबों के साथ यूनिफॉर्म, फीस और बस का खर्च भी भारी: अभिभावकों के अनुसार केवल किताबें ही नहीं, बल्कि स्कूल यूनिफॉर्म, जूते, बैग, कॉपी-किताबें, स्टेशनरी, वार्षिक शुल्क और स्कूल बस शुल्क जोड़ने पर नर्सरी से कक्षा पांचवीं तक एक बच्चे की पढ़ाई पर 35 हजार से 50 हजार रुपये तक का खर्च आ रहा है।

मध्यमवर्गीय और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए इतनी बड़ी राशि की व्यवस्था करना चुनौती बन गया है।

निजी पब्लिशर्स की किताबों को प्राथमिकता एनसीईआरटी की अनदेखी

क्षेत्र के कई निजी स्कूलों में एनसीईआरटी की अपेक्षा निजी पब्लिशर्स की किताबें अधिक लगाई जा रही हैं। इन पुस्तकों की कीमत सरकारी पुस्तकों की तुलना में कई गुना अधिक होती है। अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन जानबूझकर ऐसे निजी प्रकाशकों की किताबें निर्धारित करते हैं, जिनसे उन्हें आर्थिक लाभ मिलता है। इससे अभिभावकों के पास महंगी किताबें खरीदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता।

कमीशन के खेल के आरोप

स्थानीय पुस्तक विक्रेताओं का दावा है कि निजी प्रकाशकों और कुछ स्कूल संचालकों के बीच 35 से 40 प्रतिशत तक कमीशन का खेल चलता है। नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर एक पुस्तक विक्रेता ने बताया कि कई प्रकाशक स्कूलों को अधिक कमीशन देने के कारण अपनी किताबें पाठ्यक्रम में शामिल करवाते हैं। यही वजह है कि वास्तविक लागत से कहीं अधिक कीमत पर किताबें बेची जाती हैं और इसका सीधा बोझ अभिभावकों पर पड़ता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और संबंधित स्कूलों या प्रकाशकों का पक्ष भी सामने नहीं आया है।

नई शिक्षा नीति से भी नहीं मिली अपेक्षित राहत

नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद अभिभावकों को उम्मीद थी कि शिक्षा व्यवस्था अधिक पारदर्शी और किफायती होगी, लेकिन निजी स्कूलों में महंगे निजी प्रकाशनों की किताबें अनिवार्य किए जाने की शिकायतें लगातार बनी हुई हैं। इससे शिक्षा का खर्च कम होने के बजाय लगातार बढ़ता जा रहा है। अभिभावकों ने शासन और प्रशासन से मांग की है कि निजी स्कूलों में पुस्तक चयन की प्रक्रिया की जांच कराई जाए, कथित कमीशनखोरी की निष्पक्ष जांच हो तथा विद्यार्थियों के हित में एनसीईआरटी अथवा अन्य किफायती पुस्तकों को प्राथमिकता देने के लिए प्रभावी दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। इससे शिक्षा का बढ़ता आर्थिक बोझ काफी हद तक कम किया जा सकता है।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

अभिभावकों का कहना है कि वर्षों से महंगी किताबों की शिकायतें सामने आती रही हैं, लेकिन जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यदि स्कूलों में एनसीईआरटी की किताबों को प्राथमिकता दी जाए या निजी पुस्तकों की कीमतों और चयन प्रक्रिया की निगरानी की जाए, तो अभिभावकों को बड़ी राहत मिल सकती है।

कोई भी बच्चा और गर्भवती महिला टीकाकरण से न छूटे : कलेक्टर

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. ने ग्राम नापलाखेड़ी, सतपिपलिया एवं धामंदा स्थित आयुष्मान आरोग्य केंद्रों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के अंतर्गत किए जा रहे बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं की उपलब्धता तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को दिए जा रहे पोषण आहार का निरीक्षण किया। उन्होंने रजिस्टरों का अवलोकन कर टीकाकरण की प्रगति, लाभार्थियों की संख्या तथा अभिलेखों की अद्यतन स्थिति की जानकारी भी ली।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि जिले के सभी बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए तथा स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाओं एवं अन्य संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं बल्कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का प्रभावी माध्यम है। इसलिए दोनों विभाग बेहतर समन्वय के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक सत्र का गंभीरता से संचालन सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि टीकाकरण से संबंधित आंकड़े दोनों विभागों के अभिलेखों में एक समान होना चाहिए। यदि किसी प्रकार का अंतर पाया जाता है तो उसे तत्काल दूर किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि दोनों विभाग प्रत्येक माह संयुक्त रूप से रिकॉर्ड का मिलान करें तथा लाभार्थियों की सूची का सत्यापन करें, जिससे कोई भी बच्चा या गर्भवती महिला छूटने न पाए।

कलेक्टर बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को आयोजित होने वाले ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का नियमित निरीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर सीएमएचओ एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी संयुक्त रूप से निरीक्षण करेंगे। इसी प्रकार विकासखंड स्तर पर बीएमओ एवं सीडीपीओ संयुक्त रूप से निरीक्षण करेंगे, जबकि सेक्टर स्तर पर स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर संयुक्त रूप से निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान प्राप्त कमियों का तत्काल निराकरण कराया जाए तथा सभी स्तरों पर निरंतर मॉनिटरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के बीच बेहतर समन्वय, नियमित निरीक्षण और सतत निगरानी से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक प्रभावी रूप से पहुंच सकेगा।

निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया, महिला बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी ज्ञानेश खरे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नमस्ते दिवस पर सफाई मित्रों का सम्मान, पीपीई किट वितरित

बुधनी। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम (नमस्ते) के अंतर्गत मंगलवार को नगर परिषद कार्यालय में नमस्ते दिवस का आयोजन किया गया। परिषद के सभा कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में सीवर एवं सेप्टी टैंक से जुड़े कार्यों में लगे सफाई मित्रों का सम्मान कर उन्हें सुरक्षा उपकरण (पीपीई किट) वितरित किए गए।

कार्यक्रम में सफाई मित्रों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया तथा उनके स्वच्छता एवं जनसेवा में दिए जा रहे योगदान की सराहना की गई। इस दौरान स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर अर्जुन मालवीय ने कहा कि सफाई मित्र शहर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने सभी सफाई मित्रों से अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा,समर्पण और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए करने का आग्रह किया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी डॉ. प्रशांत जैन ने बताया कि भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सफाई मित्रों के सम्मान के साथ-साथ उन्हें सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य से सभी संबंधित कर्मचारियों को पीपीई किट भी वितरित की गई। कार्यक्रम में नगर परिषद उपाध्यक्ष सत्येंद्र शर्मा,पार्षद प्रभात भदौरिया सहित नगर परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भैरुंदा से निकलेगी प्रथम पैदल निशान यात्रा, 90 श्याम भक्त करेंगे पदयात्रा

भैरूंदा। श्री श्याम मंदिर समिति गोकुल धाम कॉलोनी भैरूंदा के तत्वाधान में प्रथम पैदल निशान यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा कल 15 जुलाई बुधवार को प्रातः 9 बजे श्री खाटू श्याम मंदिर से विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ रवाना होगी। यात्रा में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 90 श्याम भक्त निशान लेकर पैदल खाटू धाम के लिए प्रस्थान करेंगे। समिति के अनुसार यह संपूर्ण यात्रा निःशुल्क आयोजित की जा रही है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के भोजन, ठहरने, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समिति द्वारा की गई हैं। प्रस्थान से पूर्व मंदिर परिसर में बाबा श्याम की विशेष पूजा-अर्चना, आरती एवं निशान पूजन किया जाएगा। जिसके बाद श्रद्धालु जय श्री श्याम के जयघोष के साथ यात्रा आरंभ करेंगे। भैरूंदा से श्री खाटू श्याम मंदिर (खाटू धाम), रींगस, राजस्थान की सड़क मार्ग से दूरी लगभग 600 से 630 किलोमीटर है। श्रद्धालु यह लंबी यात्रा पैदल तय करते हुए बाबा श्याम के दरबार में निशान अर्पित करेंगे। पदयात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्थानीय श्रद्धालुओं एवं सामाजिक संगठनों द्वारा यात्रियों का स्वागत किया जाएगा। श्री श्याम मंदिर समिति ने नगर एवं आसपास के श्याम प्रेमियों से यात्रा के शुभारंभ अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर यात्रियों का उत्साहवर्धन करने तथा बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है। समिति का कहना है कि प्रथम बार आयोजित हो रही इस पदयात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिल रहा है और इसे भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

जनसुनवाई में 96 आवदेनों पर हुई सुनवाई

सीहोर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से आए 96 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेढ.-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंस, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर बृजेश सक्सेना, संयुक्त कलेक्टर वंदना राजपूत, एसडीएम तन्मय वर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने की मातृ व शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की मासिक समीक्षा

सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ शिशु सुनिश्चित करना विभागों की साझा जिम्मेदारी है : कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के. ने जिला पोषण समिति एवं जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं तथा गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले से कुपोषण समाप्त करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए चिन्हित बच्चों का नियमित फॉलोअप किया जाए तथा गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को समय पर सभी स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

कलेक्टर बालागुरू के. ने टेक होम राशन (टीएचआर) वितरण की नियमित समीक्षा करने, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की सतत निगरानी रखने तथा मातृ मृत्यु दर को न्यूनतम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी गर्भवती महिला की मृत्यु नहीं होनी चाहिए। सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ शिशु सुनिश्चित करना स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला पोषण समिति की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने नियमित एएनसी जांच, एनीमिया की पहचान एवं उपचार, समय पर टीकाकरण तथा संस्थागत प्रसव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में गर्भवती महिलाओं की प्रथम एएनसी जांच का प्रदर्शन 99.68 प्रतिशत तथा द्वितीय एएनसी जांच 89.46 प्रतिशत रहा। बच्चों के शारीरिक मापन का कार्य 99.86 प्रतिशत पूर्ण किया गया, जबकि आंगनवाड़ी केन्द्रों पर सामुदायिक आधारित आयोजनों का लक्ष्य लगभग शत-प्रतिशत पूरा किया गया। एबीएचए आईडी सत्यापन में भी जिला 89.43 प्रतिशत प्रगति दर्ज कर चुका है। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में बताया गया कि अप्रैल से जून 2026 के दौरान 89 प्रतिशत से अधिक नवजात शिशुओं को आशा कार्यकर्ताओं द्वारा निर्धारित होम विजिट सेवाएं प्रदान की गईं। विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में लगभग 88 प्रतिशत नवजातों का सफल उपचार किया गया। नियमित टीकाकरण अभियान के अंतर्गत मीजल्स-रूबेला की दूसरी खुराक का 95 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया गया तथा राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम में जिले ने टीबी नोटिफिकेशन के लक्ष्य का 93 प्रतिशत हासिल किया।

कलेक्टर बालागुरू के. ने बेहतर निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में प्रगति अपेक्षाकृत कम है, वहां विशेष प्रयास कर सभी पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध एवं त्वरित स्वास्थ्य और पोषण सेवाएं पहुंचाना सुनिश्चित करें। बैठक में सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया, महिला बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ज्ञानेश खरे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

केएल बैरागी बने प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के उपप्रांताध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के वरिष्ठ एवं सक्रिय पदाधिकारी के.एल. बैरागी को संगठन की प्रदेश कार्यकारिणी में उप प्रांताध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनके मनोनयन से जिले सहित प्रदेशभर के पेंशनर्स में हर्ष का माहौल है। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं पेंशनर्स साथियों ने इसे पेंशनरों के हितों को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय बताया है।

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष श्याम जोशी द्वारा यह मनोनयन संगठन को प्रदेश स्तर पर अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने की दृष्टि से किया गया है। संगठन का उद्देश्य प्रदेश के सभी जिलों में पेंशनर्स एसोसिएशन की गतिविधियों को गति देना, जिन जिलों में अभी तक जिला शाखाओं का गठन नहीं हुआ है वहां नई शाखाओं का गठन करवाना, संगठनात्मक विस्तार करना तथा पेंशनरों की लंबित समस्याओं के निराकरण के लिए प्रभावी पहल करना है। प्रांताध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया है कि के.एल. बैरागी अपने लंबे संगठनात्मक अनुभव, सक्रिय कार्यशैली एवं पेंशनरों के प्रति समर्पित भाव के साथ प्रदेशभर में संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे। उनके नेतृत्व में जिला इकाइयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा तथा पेंशनर्स की समस्याओं के समाधान के लिए शासन-प्रशासन के समक्ष प्रभावी रूप से पक्ष रखा जाएगा। मनोनयन की घोषणा के बाद प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन, सीहोर के जिलाध्यक्ष सुन्दरलाल राठौर के नेतृत्व में जिला कार्यकारिणी द्वारा के.एल. बैरागी का पुष्पहार पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री राठौर ने संगठन के प्रांताध्यक्ष श्याम जोशी, कार्यकारी प्रांताध्यक्ष एल.एन. कैलाशिया तथा कार्यकारी प्रांताध्यक्ष एच.पी. उरमलिया सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने योग्य एवं अनुभवी नेतृत्व को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर पेंशनर्स समाज का सम्मान बढ़ाया है।